एक नजर में

रैपिड किट से दूध की मिलावट की जांच

शुजालपुर, 8 सितंबर. खाद्य पदार्थों में मिलावट पर अंकुश लगाने के लिए मंगलवार को शुजालपुर में खाद्य सुरक्षा एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने जांच अभियान चलाया, टीम ने दुग्ध शीत केंद्र और बेकरी से खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर परीक्षण के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे है. जांच के दौरान दूध की मौके पर प्राथमिक जांच रैपिड मिल्क टेस्टिंग किट से की गई. किट की सहायता से दूध में यूरिया, स्टार्च, नमक, न्यूट्रलाइजर, डिटर्जेंट, सोडा सहित अन्य संभावित अपद्रव्यों की प्रारंभिक पहचान की जा सकती है. इसके लिए स्ट्रिप के रंग में होने वाले बदलाव को पैकेट पर उपलब्ध रंग-चार्ट से मिलाया जाता है. प्रक्रिया में अलग से किसी रसायन के इस्तेमाल की जरूरत नहीं होती.

दुग्ध केंद्र से मिश्रित दूध और घी के नमूने

संयुक्त दल ने दुग्ध शीत केंद्र शुजालपुर, चितौड़ा से मिश्रित दूध एवं घी के नमूने लिए. इसके अलावा सतगुरु बेकरी शुजालपुर मंडी से बटूर स्कॉच केक का नमूना भी संग्रहित किया गया. सभी नमूनों को विस्तृत जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है. अधिकारियों के अनुसार प्रयोगशाला से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर संबंधित खाद्य प्रतिष्ठान या विक्रेता के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी. कार्रवाई कलेक्टर शाजापुर ऋजु बाफना के निर्देशन और शुजालपुर एसडीएम के मार्गदर्शन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशानुसार की गई. कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी एमके वर्मा, केएल कुम्भकार तथा राजस्व विभाग के कस्बा पटवारी रिक्की छाबड़ा शामिल रहे.

लायंस क्लब मक्सी ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का किया सम्मान

मक्सी, 8 सितंबर. शिक्षक दिवस के अवसर पर लायंस क्लब मक्सी द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल, मक्सी में शिक्षकों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में शिक्षकों का माला पहनाकर एवं सम्मान पत्र प्रदान कर अभिनंदन किया गया. इस अवसर पर क्लब सदस्यों ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण और राष्ट्र के भविष्य को दिशा देने वाले सच्चे मार्गदर्शक है. उनके समर्पण, अनुशासन एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त करना समाज का दायित्व है. लायंस क्लब मक्सी द्वारा शिक्षाए स्वास्थ्य एवं समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर किए जा रहे प्रयासों के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक सार्थक प्रयास रहा. कार्यक्रम में अध्यक्ष मयंक काबरा, कोषाध्यक्ष हेमंत पटेल, सह सचिव शीला पटेल, लायन मणिशंकर नागर, ओम प्रकाश शर्मा, रामप्रसाद पाटीदार, दुर्गा पाटीदार, प्रकाश भावसार एवं डॉ. सचिन भंडारी उपस्थित रहे. लायंस क्लब मक्सी ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान केवल एक दिन का आयोजन नहीं बल्कि उनके निरंतर योगदान के प्रति समाज की कृतज्ञता का प्रतीक है.

जय-वीरू की जोड़ी जैसा है, आबकारी विभाग और नीले ड्रम का रिश्ता

- नीले ड्रम के पीछे फोटो सेशन, हर कार्रवाई एक जैसी
- आबकारी विभाग को पहले मालूम होता है कहां बन रही है अवैध शराब, तभी तो तत्काल पहुंचते है

गत दिवस आबकारी और पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई

शाजापुर, 8 सितंबर. जब भी अवैध शराब के ठिकानों पर दबिश होती है तो दबिश के बाद खबरों की तस्वीर और वीडियो एक चीज बिल्कुल फिक्स दिखाई देती है नीले ड्रम. आखिर अवैध शराब बनाने वाले व नीले ड्रम के पीछे फोटो खिंचाने वाले आबकारी और पुलिस का जन्मांतर का नाता है. अवैध शराब की दबिश के दौरान नीले ड्रम सरकारी ब्रांड एंबेसेडर बन गए हैं. लगता है आबकारी विभाग नीले ड्रम के बिना कार्रवाई नहीं करता है. आबकारी विभाग की किसी भी कार्रवाई की फोटो पूरी नहीं मानी जाती है जब तक चार पांच नीले ड्रम ना रखे हों. पुलिस आए ना आए लेकिन नीले ड्रम की मौजूदगी साबित कर देती है दबिश की पटकथा.

गौरतलब है कि साल 2021 में मुरैना में जहरीली शराब से 21 लोगों की मौत हुई थी उस समय भी शाजापुर आबकारी विभाग उन स्थानों पर कार्रवाई के लिए फोरन पहुंच गया था जहां अवैध शराब बन रही थी, वहीं आगे नीले ड्रम रखकर फोटो सेशन करवाया गया था. साल 2023 में भी कालापीपल में संदिग्ध चार लोगों की मौत के बाद यही नीले ड्रम वाली कार्रवाई देखने को मिली थी, अब हाल ही में सागर में जहरीली शराब के बाद शाजापुर आबकारी विभाग फिर नीले ड्रम के साथ फोटो सेशन कराने पहुंचा. लगता है शाजापुर आबकारी विभाग को जिले में कहां कहां अवैध शराब बन रही है उसकी कार्यसूची और जगह पहले से ही पता रहते हैं वे बस शायद किसी बड़ी घटना का इंतजार करते हैं ताकि वे सरकार को बता सके कि हमने भी कार्रवाई की है. जबकि हकीकत यह है कि ना तो पूरे साल आबकारी विभाग अवैध शराब पकड़ने के लिए कोई अभियान चलाता है और ना कोई ठोस कार्रवाई करता है.

5 फरवरी 2026 को आबकारी विभाग की कार्रवाई में नीले ड्रम

नीले ड्रम तो मिल जाते हैं लेकिन आरोपी नहीं मिलते है

आबकारी विभाग और पुलिस की जब भी अवैध शराब को लेकर दबिश दी जाती है तो नीले ड्रम से शराब तो मिल जाती है लेकिन कार्रवाई के दौरान आबकारी विभाग और पुलिस को आरोपी नहीं मिलते हैं. सागर की घटना के बाद जिले में 7 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए लेकिन आरोपी कितने पकड़े इसकी कोई जानकारी नहीं. ऐसा लगता है कि कार्रवाई के लिए पहले से ही नीले ड्रम शराब माफिया रखकर भूमिगत हो जाते हैं ताकि आबकारी विभाग और पुलिस को नीले ड्रम के साथ फोटो सेशन का मौका मिल जाए.

नीले ड्रम में ही क्यों मिलती है अवैध शराब?

जब भी आबकारी विभाग अवैध शराब पकड़ने के लिए जाता है तो नीले ड्रम में ही अवैध शराब जब्त की जाती है और ड्रम के साथ ही आबकारी विभाग फोटो सेशन कराता है. इन नीले ड्रम और आबकारी विभाग का क्या रिश्ता है यह तो आबकारी विभाग वाले ही बता सकते है. कार्रवाई चार साल पुरानी हो या हाल ही में की गई हो कार्रवाई के बाद फोटो सेशन एक जैसा ही होता है, दो चार ड्रम जमाकर पीछे आबकारी टीम नजर आती है.

कहां-कहां है अवैध शराब, आबकारी विभाग के है पता

आबकारी विभाग को पहले से पता रहता है कि जिले में कहां अवैध शराब बिक रही है और कहां बन रही है, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है. क्योंकि जब भी कोई घटना होती है तो आबकारी विभाग का अमला तत्काल उस स्थान पर पहुंच जाता है जहां अवैध शराब बनती है. इसका सीधा मतलब है कि आबकारी विभाग को पहले से अवैध शराब बिकने का स्थान पता रहता है. बस पैसे के चक्कर में वह इन अवैध शराब माफियाओं को परेशान नहीं करते हैं. सरकार की कार्रवाई से बचने के लिए छोटी मोटी कार्रवाई करते हैं.

शायद दिव्य दृष्टि है आबकारी विभाग के पास

जब भी जहरीली शराब से मरने की कोई घटना प्रदेश के किसी कोने में होती है तो कुंभकरणीय नींद सोने वाला आबकारी विभाग जगता है और सीधे उस स्थान पर पहुंच जाता है जहां अवैध शराब बन रही है. इसका सीधा मतलब है कि आबकारी विभाग को पहले से पता रहता है कि अवैध शराब के कौन कौन से ठिकाने हैं और वे तत्काल मौके पर पहुंचकर फोटो सेशन करते हैं या फिर वे अवैध शराब माफियाओं को सूचना दे देते हैं कि हमें दबिश देना है. शायद लगता है कि आबकारी विभाग के पास वह तीसरा नेत्र है कि उन्हें पता चल जाता है कि कहां अवैध शराब बन रही है.

किसानों की मांगों को लेकर आज शुजालपुर बंद

शुजालपुर, 8 सितंबर. किसानों की प्रमुख मांगों को लेकर भारतीय किसान संघ द्वारा बुधवार 9 सितंबर को शुजालपुर नगर बंद का आह्वान किया गया है. संघ की शुजालपुर इकाई की ओर से अनुविभागीय अधिकारी को सूचना देकर एक दिन के नगर बंद की जानकारी दी है. बंद को लेकर संघ कार्यकर्ताओं द्वारा नगर में व्यापारियों एवं नागरिकों से सहयोग की अपील की गई है.

भारतीय किसान संघ मध्यप्रदेश मालवा प्रांत जिला शाजापुर इकाई शुजालपुर की ओर से 7 सितंबर को अनुविभागीय अधिकारी को दी गई सूचना में बताया गया कि किसानों की प्रमुख मांगों को लेकर 9 सितंबर बुधवार को शुजालपुर नगर को एक दिन के लिए बंद रखा जाएगा. संघ की ओर से बंद की सूचना नगर में ध्वनि विस्तारक यंत्र के माध्यम से भी दिए जाने की बात कही गई है.

मंडी में भी रहेगा अवकाश

नगर बंद के मद्देनजर कृषि उपज मंडी समिति शुजालपुर ने भी बुधवार को एक दिन का अवकाश घोषित किया है. मंडी प्रशासन की ओर से जारी सूचना में बताया गया कि भारतीय किसान संघ तहसील शुजालपुर के आवेदन के अनुसार 9 सितंबर को शुजालपुर नगर बंद रहेगा. इसके चलते मंडी में भी अवकाश रहेगा. मंडी समिति ने इसे किसान हित में लिया गया निर्णय बताया है. मंडी में अवकाश के कारण कृषि उपज की आवक एवं नीलामी संबंधी कार्य प्रभावित रहेंगे. किसानों से भी मंडी पहुंचने से पहले अवकाश की जानकारी का ध्यान रखने की अपील की गई है.

एक नजर

सीएमओ का आश्वासन निकला हवा हवाई, नाले के किनारे उगी झाड़ियों से हादसे का खतरा

21 दिन बाद भी स्टेशन रोड की झाड़ियां जस की तस

मक्सी, 21 सितंबर. मक्सी नगर के व्यस्त स्टेशन रोड पर नाले के किनारे उगी झाड़ियां नगर परिषद की सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है. झाड़ियों की सफाई को लेकर नगर परिषद की सीएमओ ऋतु पुरोहित द्वारा आश्वासन दिए जाने के बावजूद करीब 21 दिन बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है. सड़क किनारे झाड़ियों के कारण नाला भी ठीक से दिखाई नहीं देता और उसके अवरुद्ध होने की स्थिति बन गई है.

स्टेशन रोड नगर के प्रमुख और व्यस्त मार्गों में शामिल है. यहां स्कूल बसों, सिटी बसों सहित दिनभर बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहनों की आवाजाही रहती है. साप्ताहिक बाजार के दिनों में यातायात का दबाव और बढ़ जाता है, ऐसे में सड़क किनारे और नाले के आसपास फैली झाड़ियां वाहन चालकों के साथ पैदल राहगीरों के लिए भी परेशानी और दुर्घटना का कारण बन सकती है.

कुछ दिन पहले झाड़ियों के कारण गिरा था व्यक्ति

स्थानीय रहवासी ने बताया कि नाले के आसपास झाड़ियां अधिक होने से नाला दिखाई नहीं देता. कुछ दिन पहले एक व्यक्ति वहां गिर गया था, जिससे उसके कपड़े भी खराब हो गए थे. रहवासी का कहना है कि झाड़ियों की सफाई होने से कम से कम नाला स्पष्ट दिखाई देगा और लोगों के गिरने की आशंका कम होगी.

आश्वासन के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

मामले को लेकर पूर्व में सीएमओ ऋतु पुरोहित से चर्चा की गई थी, उन्होंने समस्या को संज्ञान में लेते हुए झाड़ियों की सफाई करवाने का आश्वासन दिया था. इसके बावजूद करीब 21 दिन बीतने के बाद भी मौके पर सफाई नहीं हुई है. इससे नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे है. स्थानीय लोगों का कहना है कि स्टेशन रोड जैसे व्यस्त मार्ग पर नाले के किनारे झाड़ियों का इस तरह बढ़ना गंभीर लापरवाही है. यदि समय रहते सफाई नहीं कराई गई तो किसी बड़े हादसे की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता, रहवासियों ने नगर परिषद से तत्काल झाड़ियों की सफाई कराने के साथ नाले की भी सफाई करवाने की मांग की है.

देवास

एक नजर में

बछबारस पर गाय-बछड़े की पूजा की

बागली। बछ बारस पर नगर में भी कुछ स्थानों पर जहां लघु गौशाला संचालित हो रही है, वहां पर महिलाएं पहुंची और गाय-बछड़े की पूजा की। वार्ड क्रमांक 3 में स्थित वाग्योग चेतना पीठ आश्रम पर भी महिलाओं ने गाय-बछड़े की पूजा की। गोवर्धन नाथ मंदिर की पुजारी राजेंद्र पाठक ने बताया कि बछ बारस (गोवत्स द्वादशी) का पावन व्रत मुख्य रूप से माताएं अपनी संतान की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और मंगल कामना के लिए रखती हैं। पंडित कनिष्क द्विवेदी ने बताया कि सनातन धर्म में हर सजीव एवं निर्जीव वस्तु को पूजा जाता है जो हमारे काम आती है। गाय को तो माता के रूप में ही पूजा जाता है। यह पर्व हमारे पूर्वज इसलिए ही मनाते आए हैं कि प्रकृति और संस्कृति साथ-साथ बची रहे। वर्तमान में गोवंश हत्या कानून लागू होने से गाय माता की सुरक्षा हो रही है।

मां चामुंडा सेवा समिति ने दिव्यांग बच्चों को वितरित किए स्कूली बैग

देवास। मां चामुंडा सेवा समिति ने मंडी धर्मशाला में समिति संचालक रामेश्वर जलोदिया के नेतृत्व में दिव्यांग स्कूली बच्चों को तिलक लगाकर एवं भेंट देकर बैग वितरित किए। जलोदिया ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपनी सामर्थ्य के अनुसार मानव सेवा करना चाहिए। जितना भी हो सके खुशी को बांटे। खुशी बांटने से बढ़ती है और अगर कोई एक भी हमारी वजह से खुश हो गया तो इससे बड़ी और क्या सेवा हो सकती है। मानव सेवा ईश्वर की सेवा के समान होती है। इस अवसर पर समिति संरक्षक नारायण व्यास, नरेंद्र मिश्रा, शिवनारायण पाठक, समाजसेवी संजय पोरवाल, सोहन अग्रवाल, आशीष जैन, हिम्मतसिंह पवार, गौरीशंकर महादेव, संगीता जोशी, दुर्गा व्यास सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

रेंट की कार से रैकी, सूना घर दिखा तो कर दी नकबजनी

- औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने पांच दिन में बजरंग नगर की नकबजनी का किया खुलासा
- तीन नाबालिग सहित छह आरोपी गिरफ्तार

देवास। सूने मकानों की तलाश में रेंट की कार से घूमकर रैकी करना और मौका मिलते ही नकबजनी को अंजाम देना- यह तरीका अपनाने वाले गिरोह का पुलिस ने पांच दिन में पर्दाफाश किया है।

बजरंग नगर में हुई चोरी के खुलासे के साथ पुलिस ने तीन नाबालिग सहित छह आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के सोने-चांदी के आभूषण और वारदात में इस्तेमाल दो कारें समेत करीब 11 लाख रुपए का माल बरामद किया गया है। खास बात यह है कि आरोपी एक और वारदात की तैयारी में थे, लेकिन उससे पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

पुलिस के अनुसार एक सितंबर को थाना औद्योगिक क्षेत्र पर फरियादी देवेंद्र मालवीय निवासी बजरंगनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 29 अगस्त को वह अपनी पत्नी को ससुराल से लाने के लिए इंदौर गया था। राखी पर्व के कारण उसका छोटा भाई भी बाहर गया हुआ था। 31 अगस्त को वापस लौटने पर घर का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखने पर सामान अस्त-व्यस्त मिला तथा अलमारियां टूटी हुई थीं। जांच करने पर सोने-चांदी के आभूषण एवं नगदी गायब मिले। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों तक पहुंची पुलिस

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) गजेंद्र सिंह वर्धमान के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी औद्योगिक क्षेत्र अमित सोलंकी के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई।

पुलिस टीम ने सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का विश्लेषण कर मुखबिर तंत्र सक्रिय किए।

प्लेटफॉर्म पर पक्के अतिक्रमण का आरोप

सोनकच्छ। नगर में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का मामला सामने आया है। वार्ड क्रमांक 5 के चमन बाजार स्थित कालीसिंध मार्ग पर पुराने मिर्ची बाजार के प्लेटफॉर्म पर अतिक्रमण कर पक्की दुकानों का निर्माण किए जाने का आरोप है।

बताया जा रहा है कि कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि कुछ जगह निर्माण जारी है। जानकारी के अनुसार कई वर्ष पूर्व चमन बाजार क्षेत्र में हाट बाजार लगाया जाता था। उस दौरान नगर परिषद द्वारा मिर्ची व्यापारियों के लिए शासकीय भूमि पर प्लेटफॉर्म का निर्माण कराया गया था, जहां मिर्ची विक्रेता अपनी दुकानें लगाते थे। बाद में हाट बाजार का स्थान बदल गया। इसके बाद प्लेटफॉर्म के पीछे रहने वाले कुछ रहवासियों द्वारा धीरे-धीरे उक्त भूमि पर अस्थायी अतिक्रमण किए जाने की बात सामने आई। समय के साथ इन स्थानों पर पक्के निर्माण किए जाने लगे।

कच्चे अतिक्रमण के बाद अब पक्के निर्माण- स्थानीय लोगों के अनुसार शुरुआत में कुछ लोगों ने अपने घरों के बाहर कच्चे निर्माण और रास्ते के रूप में भूमि का उपयोग करना शुरू किया। इसके बाद एक-दूसरे को देखकर शासकीय भूमि पर पक्के निर्माण किए जाने लगे। वर्तमान में पुराने मिर्ची बाजार के प्लेटफॉर्म क्षेत्र में पक्की दुकानों के निर्माण को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

योग को जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाएं

इंदौर. योग, स्वास्थ्य संवर्धन एवं सामाजिक चेतना के व्यापक प्रसार के उद्देश्य से लक्ष्य पर्यावरण एवं वाटर सॉल्यूशन वेलफेयर सोसायटी द्वारा योग आयोग, मध्य प्रदेश शासन के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में आयोजित राज्य स्तरीय लक्ष्य 'मंथन' योगासन प्रतियोगिता के प्रारंभिक दौर का द्वितीय क्वालिफाइंग चरण सेंट अर्नोल्ड हायर सेकेंडरी स्कूल, में संपन्न हुआ.

प्रतियोगिता के भव्य उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथियों में पद्मश्री भालू मोंढे, रेनेसां विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सीए स्वप्निल कोठारी, उपायुक्त जीएसटी कुमार अभिषेक खरे, हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष यादव, एल्मार जाधव तथा मनोज गर्ग सहित अनेक विशिष्टजन सम्मिलित हुए.

अपने उद्बोधन में उन्होंने योग को जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाने पर बल देते हुए इसे स्वास्थ्य, अनुशासन और संतुलन का आधार बताया. लक्ष्य पर्यावरण एवं वाटर सॉल्यूशन वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद नन्दवाल ने आयोजन के संदर्भ में बताया कि संस्था पर्यावरण एवं जल संरक्षण के साथ-साथ स्वस्थ व तनावमुक्त जीवनशैली के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य के तहत युवाओं को सशक्त मंच देने के लिए यह प्रतियोगिता कुल तीन चरणों में आयोजित की जा रही है.

एक नजर

नगर में जगह-जगह लगे कचरे के ढेर, कर्मचारियों ने कहा- आश्वासन कई मिले, समस्या जस की तस

पांच माह से वेतन नहीं मिला, सफाई कर्मचारियों ने बंद किया काम

टोंकखुर्द। पांच माह से वेतन नहीं मिलने से आर्थिक संकट से जूझ रहे नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया। सफाई कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से नगर में सफाई व्यवस्था प्रभावित हो गई और जगह-जगह कचरे के ढेर नजर आने लगे। वेतन नहीं मिलने से नाराज कर्मचारियों का कहना है कि आखिर कब तक उधार लेकर परिवार चलाएं।

मंगलवार को नगर परिषद के आला अधिकारियों ने सफाई कर्मचारियों को बुलाकर काम पर नहीं आने का कारण पूछा।

इस पर कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें पिछले पांच माह से वेतन नहीं मिला है। वेतन के अभाव में बच्चों की स्कूल फीस तक जमा नहीं हो पा रही है।

कर्मचारियों के अनुसार फीस नहीं भरने पर स्कूलों से बच्चों को बाहर किया जा रहा है। उनका यह भी आरोप है कि वेतन की मांग करने पर नौकरी से हटाने की धमकी दी जा रही है।

आश्वासन पर नहीं माने कर्मचारी- मामले में नगर परिषद अध्यक्ष ने कर्मचारियों को जल्द वेतन दिलाने का आश्वासन देते हुए काम शुरू करने की बात कही। लेकिन कर्मचारी इससे संतुष्ट नहीं हुए।

उनका कहना है कि

वेतन भुगतान को लेकर पहले भी कई बार आश्वासन दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी वेतन संबंधी समस्या का निराकरण नहीं होता, तब तक काम करना मुश्किल है। सफाई कर्मचारियों के काम बंद करने से नगर की सफाई व्यवस्था पर सीधा असर पड़ा है। कई स्थानों पर कचरा जमा होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।